# Jos

## Chapter 19

### Amharic Interlinear

Reference: Amharic Selassie Bible

1

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| נַחֲלָתָֽם | וַֽיְהִ֗י | לְמִשְׁפְּחוֹתָ֑ם | שִׁמְע֖וֹן | בְנֵֽי־ | לְמַטֵּ֥ה | לְשִׁמְע֔וֹן | הַשֵּׁנִי֙ | הַגּוֹרָ֤ל | וַיֵּצֵ֞א |
| ርስታቸው | -እና-ሆነ | -ለ-ቤተሰቦቻቸው | ስምዖን | ልጆች-የ | -ለ-ነገድ-የ | -ለ-ስምዖን | -ያ-ሁለተኛ | -ያ-ዕጣ | -እና-ወጣ |
| H5159 | H1961 | H4940 | H8095 | | H4294 | H8095 | H8145 | H1486 | H3318 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| יְהוּדָֽה׃ | בְנֵֽי־ | נַחֲלַ֥ת | בְּת֛וֹךְ |
| ይሁዳ | ልጆች-የ | ርስት-የ | -በ-መካከል |
| H3063 | | H5159 | H8432 |

> ሁለተኛውም ዕጣ ለስምዖን ልጆች ነገድ በየወገኖቻቸው ወጣ፤ ርስታቸውም በይሁዳ ልጆች ርስት መካከል ነበረ።

2

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| וּמוֹלָדָֽה׃ | וְשֶׁ֥בַע | בְּאֵֽר־שֶׁ֥בַע | בְּנַחֲלָתָ֑ם | לָהֶ֛ם | וַיְהִ֥י |
| -እና-ሞላዳ | -እና-ሸባ | ብኤር-ሸባ | -በ-ርስታቸው | -ለ-እነርሱ | -እና-ሆነ |
| H4137 | | H0884 | H5159 | H1992 | H1961 |

> እነዚህም ርስታቸው ሆኑላቸው፤ ቤርሳቤህ፥ ሤባ፥ ሞላዳ፥

3

| | | |
|---|---|---|
| וָעָֽצֶם׃ | וּבָלָ֖ה | שׁוּעָ֛לוַחֲצַ֥ר |
| -እና-ዓፀም | -እና-ባላ | -እና-ሐጸር-ሱዓል |
| H6107 | H1088 | H2705 |

4

| | | |
|---|---|---|
| וְחָרְמָֽה׃ | וּבְת֥וּל | וְאֶלְתּוֹלַ֛ד |
| -እና-ሆርማ | -እና-ብቱል | -እና-አልቶላድ |
| H2767 | H1329 | H0513 |

> ሐጸርሹዓል፥ ባላ፥ ዔጼም፥ ኤልቶላድ፥

5

| | | |
|---|---|---|
| סוּסָֽה׃וַחֲצַ֥ר | וּבֵית־הַמַּרְכָּב֔וֹת | וְצִֽקְלַ֛ג |
| -እና-ሐጸር-ሱሳ | -እና-ቤት-ማርካቦት | -እና-ጺቅላግ |
| H2701 | H1024 | H6860 |

> በቱል፥ ሔርማ፥ ጺቅላግ፥ ቤትማርካቦት፥

6

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| וְחַצְרֵיהֶֽן׃ | עֶשְׂרֵ֖ה | שְׁלֹשׁ־ | עָרִ֥ים | וְשָׁרוּחֶ֑ן | לְבָאוֹתוּבֵית |
| -እና-መንደሮቻቸው | አስራ | አስራ-ስሎስት | ከተሞች | -እና-ሻሩሔን | -እና-ቤት-ለባኦት |
| | H6240 | H7969 | | H8287 | H1034 |

> ሐጸርሱሳ፥ ቤተ ለባኦት፥ ሻሩሔን፤ አሥራ ሦስት ከተሞችና መንደሮቻቸው፤

7

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| וְחַצְרֵיהֶֽן׃ | אַרְבַּ֖ע | עָרִ֥ים | וְעָשָׁ֑ן | וָעֶ֣תֶר | רִמּ֥וֹן | עַ֫יִן |
| -እና-መንደሮቻቸው | አራት | ከተሞች | -እና-ዓሻን | -እና-ዒተር | ሪሞን | ዒይን |
| | H0702 | | H6228 | H6281 | | H5871 |

> ዓይን፥ ሪሞን፥ ዔቴር፥ አሻን፤ አራት ከተሞችና መንደሮቻቸው፤

8

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| נֶ֑גֶב | רָ֣אמַת | בְּאֵ֖רבַּעֲלַ֥ת | עַד־ | הָאֵ֔לֶּה | הֶעָרִ֣ים | סְבִיבוֹת֙ | אֲשֶׁ֥ר | הַחֲצֵרִ֜ים | וְכָל־ |
| ደቡብ | ራማት-የ | ባዓላት-ብኤር | -እስከ | -ያ-እነዚህ | -ያ-ከተሞች | ዙውር-የ | የ | -ያ-መንደሮች | -እና-ሁሉ |
| H5045 | H7414 | H1192 | H5704 | H0428 | | H5439 | | | H3605 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| לְמִשְׁפְּחֹתָֽם׃ | שִׁמְע֖וֹן | בְנֵֽי־ | מַטֵּ֥ה | נַחֲלַ֛ת | זֹ֗את |
| -ለ-ቤተሰቦቻቸው | ስምዖን | ልጆች-የ | ነገድ-የ | ርስት-የ | ይህ |
| H4940 | H8095 | | H4294 | H5159 | H2063 |

> እስከ ባዕላትብኤርና እስከ ደቡቡ ራማት ድረስ በእነዚህ ከተሞች ዙሪያ ያሉ መንደሮች ሁሉ። የስምዖን ልጆች ነገድ ርስት በየወገኖቻቸው ይህ ነበረ።

9
מֵחֶ֫בֶל -ከ-መዝን-የ | בְּנֵ֣י ልጆች-የ | יְהוּדָ֔ה ይሁዳ H3063 | נַחֲלַ֖ת ርስት-የ H5159 | בְּנֵ֣י ልጆች-የ | שִׁמְע֑וֹן ስምዖን H8095 | כִּֽי־ ምክንያቱም | הָיָ֞ה ሆነ H1961 | חֵ֤לֶק ድርሻ-የ | בְּנֵי־ ልጆች-የ | יְהוּדָה֙ ይሁዳ H3063
רַ֣ב ብዙ | מֵהֶ֑ם -ከ-እነርሱ H1992 | וַיִּנְחֲל֥וּ -እና-ወረሱ H5157 | בְנֵֽי־ ልጆች-የ | שִׁמְע֖וֹן ስምዖን H8095 | בְּת֥וֹךְ -በ-መካከል H8432 | נַחֲלָתָֽם׃ ርስታቸው H5159 | פ (ፈደል)

ከይሁዳ ልጆች ክፍል የስምዖን ልጆች ርስት ሆነ፤ የይሁዳም ልጆች እድል ፈንታ ስለ በዛባቸው የስምዖን ልጆች በርስታቸው መካከል ወረሱ።

10
וַיַּ֫עַל -እና-ወጣ H5927 | הַגּוֹרָ֣ל -ያ-ዕጣ H1486 | הַשְּׁלִישִׁ֔י -ያ-ስሎስተኛ H7992 | לִבְנֵ֥י -ለ-ልጆች-የ | זְבוּלֻ֖ן ዘቡሉን H2074 | לְמִשְׁפְּחֹתָ֑ם -ለ-ቤተሰቦቻቸው H4940 | וַיְהִ֛י -እና-ሆነ H1961 | גְּב֥וּל ድንበር-የ H1366 | נַחֲלָתָ֖ם ርስታቸው H5159 | עַד־ -እስከ H5704
שָׂרִֽיד׃ ሳሪድ H8301

ሦስተኛውም ዕጣ ለዛብሎን ልጆች በየወገኖቻቸው ወጣ፤ የርስታቸውም ድንበር ወደ ሣሪድ ደረሰ፤

11
וְעָלָ֨ה -እና-ወጣ H5927 | גְבוּלָ֥ם ድንበራቸው H1366 | לַיָּ֛מָּה -ወደ-ያ-ባሕር H3220 | וּמַרְעֲלָ֖ה -እና-ማርዓላ H4831 | וּפָגַ֣ע -እና-ደረሰ H6293 | בְּדַבָּ֑שֶׁת -በ-ዳበሸት H1708 | וּפָגַע֙ -እና-ደረሰ H6293 | אֶל־ -ወደ H0413 | הַנַּ֔חַל -ያ-ወንዝ | אֲשֶׁ֖ר የ
עַל־ -በ | פְּנֵ֥י ፊት-የ H6440 | יָקְנְעָֽם׃ ያቅንዓም H3362

ድንበራቸውም በምዕራብ በኩል ወደ መርዓላ ወጣ፥ እስከ ደባሼትም ደረሰ፤ በዮቅንዓም ፊት ለፊት ወዳለው ወንዝ ደረሰ፤

12
וְשָׁ֣ב -እና-ተመለሰ H7725 | מִשָּׂרִ֗יד -ከ-ሳሪድ H8301 | קֵ֚דְמָה ምስራቃ | מִזְרַ֣ח ምስራቅ-የ H4217 | הַשֶּׁ֔מֶשׁ -ያ-ፈሐይ H8121 | עַל־ -በ | גְּב֖וּל ድንበር-የ H1366 | כִּסְלֹ֣ת תָּבֹ֑ר ኪስሎት-ታቦር H3696 | וְיָצָ֥א -እና-ወጣ H3318 | אֶל־ -ወደ H0413
הַדָּבְרַ֖ת -ያ-ዳብረት H1705 | וְעָלָ֥ה -እና-ወጣ H5927 | יָפִֽיעַ׃ ያፊዓ H3309

ከሣሪድም ወደ ፀሐይ መውጫ ወደ ምሥራቅ ወደ ኪስሎትታቦር ዳርቻ ዞረ፤

13
וּמִשָּׁ֤ם -እና-ከ-እዚያ H8033 | עָבַר֙ አለፈ | קֵ֣דְמָה ምስራቃ | מִזְרָ֔חָה ምስራቃ H4217 | גִּתָּ֥ה חֵ֖פֶר ጊታ-ሔፈር H1662 | עִתָּ֣ה קָצִ֑ין ዒታ-ቃጺን H6278 | וְיָצָ֥א -እና-ወጣ H3318 | רִמּ֛וֹן ሪሞን | הַמְּתֹאָ֖ר -ያ-ተሸመ | הַנֵּעָֽה׃ -ያ-ኔዓ H5269

ወደ ዳብራትም ወጣ፥ ወደ ያፊዓም ደረሰ፤ ከዚያም በምሥራቅ በኩል ወደ ጋትሔፍርና ወደ ዒታቃጺን አለፈ፤ ወደ ሪምንና ወደ ኒዓ ወጣ።

14
וְנָסַ֤ב -እና-ዞረ H5437 | אֹתוֹ֙ እርሱን H0853 | הַגְּב֔וּל -ያ-ድንበር H1366 | מִצְּפ֖וֹן -ከ-ሰሜን H6828 | חַנָּתֹ֑ן ሐናቶን H2615 | וְהָיוּ֙ -እና-ሆኑ H1961 | תֹּצְאֹתָ֔יו መውጫዎቹ H8444 | גֵּ֖י ሸቆ-የ H1516 | יִפְתַּח־אֵֽל׃ ይፍታሕ-ኤል H3317

ድንበሩም በሰሜን በኩል ወደ ሐናቶን ዞረ፥ መውጫውም በይፍታሕኤል ሸለቆ ነበረ።

15
וְקַטָּ֤ת -እና-ቃጣት H7005 | וְנַהֲלָל֙ -እና-ናሐላል H5096 | וְשִׁמְר֔וֹן -እና-ሺምሮን | וְיִדְאֲלָ֖ה -እና-ይድአላ H3030 | וּבֵ֣ית לָ֑חֶם -እና-ቤት-ሌሔም H1035 | עָרִ֥ים ከተሞች | שְׁתֵּים־ አስራ-ሁለት H8147 | עֶשְׂרֵ֖ה አስራ H6240
וְחַצְרֵיהֶֽן׃ -እና-መንደሮቻቸው

ቀጣት፥ ነህላል፥ ሺምሮን፥ ይዳላ፥ ቤተ ልሔም፤ አሥራ ሁለት ከተሞችና መንደሮቻቸው።

16

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| זֹאת | נַחֲלַת | בְּנֵי־ | זְבוּלֻן | לְמִשְׁפְּחוֹתָם | הֶעָרִים | הָאֵלֶּה | וְחַצְרֵיהֶן׃ | פ |
| ይህ | ርስት-የ | ልጆች-የ | ዛቡሉን | -ለ-ቤተሰቦቻቸው | -ያ-ከተሞች | -ያ-እነዚህ | -እና-መንደሮቻቸው | (ፊደል) |
| H2063 | H5159 | | H2074 | H4940 | | H0428 | | |

የዛብሎን ልጆች ርስት በየወገኖቻቸው እነዚህ ከተሞችና መንደሮቻቸው ናቸው።

17

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| לְיִשָּׂשכָר | יָצָא | הַגּוֹרָל | הָרְבִיעִי | לִבְנֵי | יִשָּׂשכָר | לְמִשְׁפְּחוֹתָם׃ |
| -ለ-ይሳኮር | ወጣ | -ያ-ዕጣ | -ያ-አራተኛ | -ለ-ልጆች-የ | ይሳኮር | -ለ-ቤተሰቦቻቸው |
| H3485 | H3318 | H1486 | H7243 | | H3485 | H4940 |

አራተኛውም ዕጣ ለይሳኮር ልጆች በየወገኖቻቸው ወጣ።

18

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| וַיְהִי | גְּבוּלָם | יִזְרְעֶאלָה | וְהַכְּסוּלֹת | וְשׁוּנֵם׃ |
| -እና-ሆነ | ድንበራቸው | ይዝርዐለ | -እና-ያ-ከሱሎት | -እና-ሱኔም |
| H1961 | H1366 | H3157 | H3694 | H7766 |

ድንበራቸውም ወደ ኢይዝራኤል፥

19

| | | |
|---|---|---|
| וַחֲפָרַיִם | וְשִׁיאֹן | וַאֲנָחֲרַת׃ |
| -እና-ሐፋራይም | -እና-ሺኦን | -እና-አናሐራት |
| H2663 | H7866 | H0588 |

ወደ ከስሎት፥ ወደ ሱነም፥ ወደ ሐፍራይም፥ ወደ ሺኦን፥ ወደ አናሐራት፥

20

| | | |
|---|---|---|
| וְהָרַבִּית | וְקִשְׁיוֹן | וָאָבֶץ׃ |
| -እና-ያ-ራቢት | -እና-ቅሽዮን | -እና-አቤጽ |
| H7245 | H7191 | H0077 |

ወደ ረቢት፥ ወደ ቂሶን፥ ወደ አቤጽ፥

21

| | | | |
|---|---|---|---|
| וְרֶמֶת | וְעֵין־גַּנִּים | וְעֵין חַדָּה | וּבֵית פַּצֵּץ׃ |
| -እና-ረመት | -እና-ዒይን-ጋኒም | -እና-ዒይን-ሐዳ | -እና-ቤት-ፓጼጽ |
| H7432 | H5873 | H5876 | H1048 |

ወደ ሬሜት፥ ወደ ዓይንጋኒም፥ ወደ ዓይንሐዳ፥ ወደ ቤትጳጼጽ ደረሰ፤

22

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וּפָגַע | הַגְּבוּל | בְּתָבוֹר | ]ושחצומה[ | (וְשַׁחֲצִימָה) | וּבֵית שֶׁמֶשׁ | וְהָיוּ | תֹּצְאוֹת |
| -እና-ደረሰ | -ያ-ድንበር | -በ-ታቦር | (ቅሬ) | -እና-ሻሐጽማ | -እና-ቤት-ሸመሽ | -እና-ሆኑ | መውጫዎች-የ |
| H6293 | H1366 | H8396 | H7831 | H7831 | H1053 | H1961 | H8444 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| גְּבוּלָם | הַיַּרְדֵּן | עָרִים | שֵׁשׁ־ | עֶשְׂרֵה | וְחַצְרֵיהֶן׃ |
| ድንበራቸው | -ያ-ዮርዳኖስ | ከተሞች | አስራ-ስድስት | አስራ | -እና-መንደሮቻቸው |
| H1366 | H3383 | | H8337 | H6240 | |

ድንበሩም ወደ ታቦርና ወደ ሻሕጹማ፥ ወደ ቤትሳሚስ ደረሰ፥ የድንበራቸውም መውጫ ዮርዳኖስ ነበረ፤ አሥራ ስድስት ከተሞችና መንደሮቻቸው።

23

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| זֹאת | נַחֲלַת | מַטֵּה | בְנֵי־ | יִשָּׂשכָר | לְמִשְׁפְּחֹתָם | הֶעָרִים | וְחַצְרֵיהֶן׃ | פ |
| ይህ | ርስት-የ | ነገድ-የ | ልጆች-የ | ይሳኮር | -ለ-ቤተሰቦቻቸው | -ያ-ከተሞች | -እና-መንደሮቻቸው | (ፊደል) |
| H2063 | H5159 | H4294 | | H3485 | H4940 | | | |

የይሳኮር ልጆች ነገድ ርስት በየወገኖቻቸው እነዚህ ከተሞችና መንደሮቻቸው ናቸው።

24

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיֵּצֵא | הַגּוֹרָל | הַחֲמִישִׁי | לְמַטֵּה | בְנֵי־ | אָשֵׁר | לְמִשְׁפְּחוֹתָם׃ |
| -እና-ወጣ | -ያ-ዕጣ | -ያ-አምስተኛ | -ለ-ነገድ-የ | ልጆች-የ | አሴር | -ለ-ቤተሰቦቻቸው |
| H3318 | H1486 | H2549 | H4294 | | H0836 | H4940 |

አምስተኛውም ዕጣ ለአሴር ልጆች ነገድ በየወገኖቻቸው ወጣ።

25

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| וַיְהִי | גְּבוּלָם | חֶלְקַת | וַחֲלִי | וָבֶטֶן | וְאַכְשָׁף׃ |
| -እና-ሆነ | ድንበራቸው | ሔልቃት | -እና-ሐሊ | -እና-ቤጠን | -እና-አክሳፍ |
| H1961 | H1366 | H2520 | H2482 | H0991 | H0407 |

ድንበራቸውም ሔልቃት፥ ሐሊ፥ ቤጤን፥ አዚፍ፥

26

| וְאַלַּמֶּלֶךְ | וְעַמְעָד | וּמִשְׁאָל | וּפָגַע | בְּכַרְמֶל | הַיָּמָּה | וּבְשִׁיחוֹר לִבְנָת׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-አላመለክ | -እና-ዓምዓድ | -እና-ሚሽአል | -እና-ደረሰ | -በ-ከርመል | -ያ-ባሕር | -እና-በ-ሺሖር-ሊብናት |
| H0487 | H6008 | H4861 | H6293 | H3760 | H3220 | H7884 |

አላሜሌክ፥ ዓምዓድ፥ ሚሽአል ነበረ፤ በምዕራብ በኩል ወደ ቀርሜሎስና ወደ ሺሖርሊብናት ደረሰ፤

27

| וְשָׁב | מִזְרַח | הַשֶּׁמֶשׁ | בֵּית דָּגֹן | וּפָגַע | בִּזְבֻלוּן | וּבְגֵי | יִפְתַּח־אֵל | צָפוֹנָה |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-ተመለሰ | ምስራቅ-የ | -ያ-ፈሐይ | ቤት-ዳጎን | -እና-ደረሰ | -በ-ዘቡሉን | -እና-በ-ሸቆ-የ | ይፍታሕ-ኤል | ሰሜና |
| H7725 | H4217 | H8121 | H1016 | H6293 | H2074 | H1516 | H3317 | H6828 |

| הָעֵמֶקבֵית | וּנְעִיאֵל | וְיָצָא | אֶל־ | כָּבוּל | מִשְּׂמֹאל׃ |
|---|---|---|---|---|---|
| ቤት-ዒመቅ | -እና-ንዒኤል | -እና-ወጣ | -ወደ | ካቡል | -ከ-ግራ |
| H1025 | H5272 | H3318 | H0413 | H3521 | H8040 |

ወደ ፀሐይም መውጫ ወደ ቤትዳጎን ዞረ፥ ወደ ዛብሎንም ወደ ይፍታሕኤል ሸለቆ፥ በሰሜን በኩል ወደ ቤትዔሜቅና ወደ ንዒኤልም ደረሰ፤ በስተ ግራ በኩልም ወደ ካቡል ወጣ፤

28

| וְעֶבְרֹן | וּרְחֹב | וְחַמּוֹן | וְקָנָה | עַד | צִידוֹן | רַבָּה׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-ዒብሮን | -እና-ረሖብ | -እና-ሐሞን | -እና-ቃና | -እስከ | ጺዶን | ታላቅ |
| H5683 | H7340 | H2540 | H7071 | H5704 | H6721 | |

ከዚያም ወደ ዔብሮን፥ ወደ ረአብ፥ ወደ ሐሞን፥ ወደ ቃና እስከ ታላቁ ሲዶናም ደረሰ።

29

| וְשָׁב | הַגְּבוּל | הָרָמָה | וְעַד־ | עִיר | מִבְצַר־ | צֹר | וְשָׁב | הַגְּבוּל | חֹסָה |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-ተመለሰ | -ያ-ድንበር | -ያ-ራማ | -እና-እስከ | ከተማ-የ | ምሥሪያ-የ | ጾር | -እና-ተመለሰ | -ያ-ድንበር | ሖሳ |
| H7725 | H1366 | H7414 | H5704 | | H4013 | H6865 | H7725 | H1366 | H2621 |

| [ויהיו] | (וְהָיוּ) | תֹּצְאֹתָיו | הַיָּמָּה | מֵחֶבֶל | אַכְזִיבָה׃ |
|---|---|---|---|---|---|
| (ቅሬ) | -እና-ሆኑ | መውጫዎቹ | -ያ-ባሕር | -ከ-መዝን-የ | አክዚብ |
| H1961 | H1961 | H8444 | H3220 | | H0392 |

ድንበሩም ወደ ራማ፥ ወደ ተመሸገውም ከተማ ወደ ጢሮስ ዞረ፤ ድንበሩም ወደ ሖሳ ዞረ፤ መውጫውም በአክዚብ በኩል ወደ ባሕሩ ነበረ፤

30

| וְעֻמָה | וַאֲפֵק | וּרְחֹב | עָרִים | עֶשְׂרִים | וּשְׁתַּיִם | וְחַצְרֵיהֶן׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-ዑማ | -እና-አፌቅ | -እና-ረሖብ | ከተሞች | ሃያ | -እና-ሁለት | -እና-መንደሮቻቸው |
| H5981 | H0663 | H7340 | | H6242 | H8147 | |

ዑማ፥ አፌቅ፥ ረአብ ደግሞ ነበሩ፤ ሀያ ሁለት ከተሞችና መንደሮቻቸው።

31

| זֹאת | נַחֲלַת | מַטֵּה | בְנֵי־ | אָשֵׁר | לְמִשְׁפְּחֹתָם | הֶעָרִים | הָאֵלֶּה | וְחַצְרֵיהֶן׃ | פ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ይህ | ርስት-የ | ነገድ-የ | ልጆች-የ | አሴር | -ለ-ቤተሰቦቻቸው | -ያ-ከተሞች | -ያ-እነዚህ | -እና-መንደሮቻቸው | (ፊደል) |
| H2063 | H5159 | H4294 | | H0836 | H4940 | | H0428 | | |

የአሴር ልጆች ነገድ ርስት በየወገኖቻቸው እነዚህ ከተሞችና መንደሮቻቸው ናቸው።

32

| לִבְנֵי | נַפְתָּלִי | יָצָא | הַגּוֹרָל | הַשִּׁשִּׁי | לִבְנֵי | נַפְתָּלִי | לְמִשְׁפְּחֹתָם׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -ለ-ልጆች-የ | ንፍታሌም | ወጣ | -ያ-ዕጣ | -ያ-ስድስተኛ | -ለ-ልጆች-የ | ንፍታሌም | -ለ-ቤተሰቦቻቸው |
| | H5321 | H3318 | H1486 | H8345 | | H5321 | H4940 |

ስድስተኛውም ዕጣ ለንፍታሌም ልጆች በየወገኖቻቸው ወጣ።

33

| וַיְהִי | גְבוּלָם | מֵחֵלֶף | מֵאֵלוֹן | בְּצַעֲנַנִּים | וַאֲדָמִי | הַנֶּקֶב | וְיַבְנְאֵל | עַד־ | לַקּוּם |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-ሆነ | ድንበራቸው | -ከ-ሔለፍ | -ከ-አሎን | -በ-ጸዓናኔም | -እና-አዳሚ | -ያ-ነቀብ | -እና-ያብንኤል | -እስከ | ላቁም |
| H1961 | H1366 | H2501 | H0438 | H6815 | H0129 | H5346 | H2995 | H5704 | H3946 |

| וַיְהִי | תֹצְאֹתָיו | הַיַּרְדֵּן׃ |
|---|---|---|
| -እና-ሆኑ | መውጫዎቹ | -ያ-ዮርዳኖስ |
| H1961 | H8444 | H3383 |

ድንበራቸውም ከሔሌፍ፥ ከጸዕነኒም ዛፍ፥ ከአዳሚኔቄብ፥ ከየብኒኤል እስከ ለቁም ደርስ ነበረ፤ መውጫውም በዮርዳኖስ ነበረ።

| מִנֶּגֶב | בִּזְבֻלוּן | וּפָגַע | חוּקֹקָה | מִשָּׁם | וְיָצָא | תָּבוֹראַזְנוֹת | יָמָּה | הַגְּבוּל | וְשָׁב | 34 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -ከ-ደቡብ | -በ-ዘቡሉን | -እና-ደረሰ | ሑቆቃ | -ከ-እዚያ | -እና-ወጣ | አዝኖት-ታቦር | ባሕራ | -ያ-ድንበር | -እና-ተመለሰ | |
| H5045 | H2074 | H6293 | | H8033 | H3318 | H0243 | H3220 | H1366 | H7725 | |

| הַשָּׁמֶשׁ׃ | מִזְרַח | הַיַּרְדֵּן | וּבִיהוּדָה | מִיָּם | פָּגַע | וּבְאָשֵׁר |
|---|---|---|---|---|---|---|
| -ያ-ፀሐይ | ምስራቅ-የ | -ያ-ዮርዳኖስ | -እና-በ-ይሁዳ | -ከ-ባሕር | ደረሰ | -እና-በ-አሴር |
| H8121 | H4217 | H3383 | H3063 | H3220 | H6293 | H0836 |

ድንበሩም ወደ ምዕራብ ወደ አዝኖትታቦር ዞረ፥ ከዚያም ወደ ሑቆቅ ወጣ፤ ከዚያም በደቡብ በኩል ወደ ዛብሎን፥ በምዕራብ በኩል ወደ አሴር፥ በዮርዳኖስም በፀሐይ መውጫ ወደ ይሁዳ ደረሰ።

| וְכִנָּרֶת׃ | רַקַּת | וְחַמַּת | צֵר | הַצִּדִּים | מִבְצָר | וְעָרֵי | 35 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-ኪኔረት | ራቃት | -እና-ሐማት | ጸር | -ያ-ጺዲም | ምሥሪያ | -እና-ከተሞች-የ | |
| H3672 | H7557 | | H6863 | H6661 | H4013 | | |

የተመሸጉትም ከተሞች እነዚህ ነበሩ፤ ጺዲም፥ ጼር፥ ሐማት፥

| וְחָצוֹר׃ | וְהָרָמָה | וַאֲדָמָה | 36 |
|---|---|---|---|
| -እና-ሓጾር | -እና-ያ-ራማ | -እና-አዳማ | |
| H2674 | H7414 | H0128 | |

ረቃት፥ ኬኔሬት፥ አዳማ፥ ራማ፥ አሶር፥

| חָצוֹר׃ וְעֵין | וְאֶדְרֶעִי | וְקֶדֶשׁ | 37 |
|---|---|---|---|
| -እና-ዒይን-ሓጾር | -እና-ኤድረዒ | -እና-ቄደሽ | |
| H5877 | H0154 | H6943 | |

| עֶשְׂרֵה | תְּשַׁע־ | עָרִים | שָׁמֶשׁוּבֵית | וּבֵית־עֲנָת | חֳרֵם | וּמִגְדַּל־אֵל | וְיִרְאוֹן | 38 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| አስራ | አስራ-ዘጠኝ | ከተሞች | -እና-ቤት-ሸመሽ | -እና-ቤት-ዓናት | ሖረም | -እና-ሚግዳል-ኤል | -እና-ይርኦን | |
| H6240 | H8672 | | H1053 | H1043 | H2765 | H4027 | H3375 | |

| וְחַצְרֵיהֶן׃ |
|---|
| -እና-መንደሮቻቸው |

ቃዴስ፥ ኤድራይ፥ ዓይንሐጾር፥ ይርኦን፥ ሚግዳልኤል፥ ሖሬም፥ ቤትዓናት፥ ቤትሳሚስ፤ አሥራ ዘጠኝ ከተሞችና መንደሮቻቸው።

| פ | וְחַצְרֵיהֶן׃ | הֶעָרִים | לְמִשְׁפְּחֹתָם | נַפְתָּלִי | בְנֵי־ | מַטֵּה | נַחֲלַת | זֹאת | 39 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ፊደል) | -እና-መንደሮቻቸው | -ያ-ከተሞች | -ለ-ቤተሰቦቻቸው | ንፍታሌም | ልጆች-የ | ነገድ-የ | ርስት-የ | ይህ | |
| | | | H4940 | H5321 | | H4294 | H5159 | H2063 | |

የንፍታሌም ልጆች ነገድ ርስት በየወገኖቻቸው እነዚህ ከተሞችና መንደሮቻቸው ናቸው።

| הַשְּׁבִיעִי׃ | הַגּוֹרָל | יָצָא | לְמִשְׁפְּחֹתָם | דָן | בְנֵי־ | לְמַטֵּה | 40 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -ያ-ሰባተኛ | -ያ-ዕጣ | ወጣ | -ለ-ቤተሰቦቻቸው | ዳን | ልጆች-የ | -ለ-ነገድ-የ | |
| H7637 | H1486 | H3318 | H4940 | H1835 | | H4294 | |

ሰባተኛውም ዕጣ ለዳን ልጆች ነገድ በየወገኖቻቸው ወጣ።

| שָׁמֶשׁ׃ וְעִיר | וְאֶשְׁתָּאוֹל | צָרְעָה | נַחֲלָתָם | גְּבוּל | וַיְהִי | 41 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| -እና-ዒይር-ሸመሽ | -እና-አሽታኦል | ጸርዓ | ርስታቸው | ድንበር-የ | -እና-ሆነ | |
| H5905 | H0847 | H6881 | H5159 | H1366 | H1961 | |

የርስታቸውም ዳርቻ ይህ ነበረ፤ ጾርዓ፥ ኤሽታኦል፥ ዒርሼሜሽ፥

| וְיִתְלָה׃ | וְאַיָּלוֹן | וְשַׁעֲלַבִּין | 42 |
|---|---|---|---|
| -እና-ይትላ | -እና-አያሎን | -እና-ሻዓላቢን | |
| H3494 | H0357 | H8169 | |

| וְעֶקְרוֹן׃ | וְתִמְנָתָה | וְאֵילוֹן | 43 |
|---|---|---|---|
| -እና-ዔቅሮን | -እና-ትምናታ | -እና-አይሎን | |
| H6138 | H8553 | H0356 | |

ሸዐለቢን፥ ኤሎን፥ ይትላ፥ ኤሎን፥ ተምና፥

44

| | | |
|---|---|---|
| וְאֶלְתְּקֵה | וְגִבְּתוֹן | וּבַעֲלָת׃ |
| -እና-አልተቄ | -እና-ግበቶን | -እና-ባዓላት |
| H0514 | H1405 | H1191 |

አቃሮን፥ ኢልተቄ፥ ገባቶን፥ ባዕላት፥

45

| | | |
|---|---|---|
| וִיהֻד | וּבְנֵֽי־בְרַק | וְגַת־רִמּֽוֹן׃ |
| -እና-የሁድ | -እና-ብኔ-ብራቅ | -እና-ጋት-ሪሞን |
| H3055 | H1139 | H1667 |

46

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| וּמֵי הַיַּרְקוֹן | וְהָרַקּוֹן | עִם־ | הַגְּבוּל | מוּל | יָפֽוֹ׃ |
| -እና-ውሃ-የ-ያርቆን | -እና-ያ-ራቆን | -ከ | -ያ-ድንበር | -በ-ፊት-የ | ያፎ |
| H4313 | H7542 | | H1366 | H4136 | H3305 |

ይሁድ፥ ብኔብረቅ፥ ጋትሪሞን፥ ሜያርቆን፥ በኢዮጴ ፊት ለፊት ካለው ዳርቻ ጋር ራቆን።

47

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיֵּצֵא | גְבוּל־ | בְּנֵי־ | דָן | מֵהֶם | וַיַּעֲלוּ | בְנֵי־ | דָן | וַיִּלָּחֲמוּ | עִם־ | לֶשֶׁם |
| -እና-ወጣ | ድንበር-የ | ልጆች-የ | ዳን | -ከ-እነርሱ | -እና-ወጡ | ልጆች-የ | ዳን | -እና-ተዋጉ | -ከ | ሌሸም |
| H3318 | H1366 | | H1835 | H1992 | H5927 | | H1835 | | | H3959 |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיִּלְכְּדוּ | אוֹתָהּ | וַיַּכּוּ | אוֹתָהּ | לְפִי־ | חֶרֶב | וַיִּרְשׁוּ | אוֹתָהּ | וַיֵּשְׁבוּ | בָהּ | וַיִּקְרְאוּ |
| -እና-ያዙት | እርሷን | -እና-መቱት | እርሷን | -ለ-አፍ-የ | ሰይፍ | -እና-ወረሷት | እርሷን | -እና-ኖሩ | -በ-እርሷ | -እና-ጠሩ |
| H3920 | H0853 | H5221 | H0853 | H6310 | H2719 | H3423 | H0853 | H3427 | | H7121 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| לְלֶשֶׁם | דָּן | כְּשֵׁם | דָּן | אֲבִיהֶם׃ |
| -ለ-ሌሸም | ዳን | -እንደ-ስም-የ | ዳን | አባታቸው |
| H3959 | H1835 | H8034 | H1835 | H0001 |

የዳንም ልጆች ዳርቻ አልበቃቸውም፤ የዳንም ልጆች ከሌሼም ጋር ሊዋጉ ወጡ፥ ያዙአትም፥ በሰይፍም ስለት መቱአት፥ ወረሱአትም፥ ተቀመጡባትም፤ ስምዋንም በአባታቸው በዳን ስም ዳን ብለው ጠሩአት።

48

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| זֹאת | נַחֲלַת | מַטֵּה | בְנֵי־ | דָן | לְמִשְׁפְּחֹתָם | הֶעָרִים | הָאֵלֶּה | וְחַצְרֵיהֶן׃ | פ |
| ይህ | ርስት-የ | ነገድ-የ | ልጆች-የ | ዳን | -ለ-ቤተሰቦቻቸው | -ያ-ከተሞች | -ያ-እነዚህ | -እና-መንደሮቻቸው | (ፈደል) |
| H2063 | H5159 | H4294 | | H1835 | H4940 | | H0428 | | |

የዳን ልጆች ነገድ ርስት በየወገኖቻቸው እነዚህ ከተሞችና መንደሮቻቸው ናቸው።

49

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיְכַלּוּ | לִנְחֹל־ | אֶת־ | הָאָרֶץ | לִגְבוּלֹתֶיהָ | וַיִּתְּנוּ | בְנֵי־ | יִשְׂרָאֵל | נַחֲלָה | לִיהוֹשֻׁעַ |
| -እና-ጨረሱ | -ለ-መውረስ | (ዕቃ) | -ያ-ምድር | -ለ-ድንበሮቻት | -እና-ሰጡ | ልጆች-የ | እስራኤል | ርስት | -ለ-ኢያሱ |
| H3615 | H5157 | H0853 | H0776 | H1367 | H5414 | | H3478 | H5159 | H3091 |

| | | |
|---|---|---|
| בִן־ | נוּן | בְּתוֹכָם׃ |
| ልጅ-የ | ኑን | -በ-መካከላቸው |
| | H5126 | H8432 |

ምድሩንም ሁሉ በየድንበሩ ርስት እንዲሆን ከፍለው ከጨረሱ በኋላ፥ የእስራኤል ልጆች ለነዌ ልጅ ለኢያሱ በመካከላቸው ርስት ሰጡት።

50

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| עַל־ | פִּי | יְהוָה | נָתְנוּ | לוֹ | אֶת־ | הָעִיר | אֲשֶׁר | שָׁאָל | אֶת־ | תִּמְנַת־סֶרַח |
| -እንደ | አፍ-የ | እግዚአብሔር | ሰጡ | -ለ-እርሱ | (ዕቃ) | -ያ-ከተማ | የ | ጠየቀ | (ዕቃ) | ትምናት-ሰራሕ |
| | H6310 | H3068 | H5414 | | H0853 | | | H7592 | H0853 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| בְּהַר | אֶפְרָיִם | וַיִּבְנֶה | אֶת־ | הָעִיר | וַיֵּשֶׁב | בָהּ׃ |
| -በ-ተራራ-የ | ኤፍሬይም | -እና-ሠራ | (ዕቃ) | -ያ-ከተማ | -እና-ኖረ | -በ-እርሷ |
| H2022 | H0669 | H1129 | H0853 | | H3427 | |

በኤፍሬም ተራራማ አገር ያለችውን ተምናሴራ የምትባለውን የፈለጋትን ከተማ እንደ እግዚአብሔር ትእዛዝ ሰጡት፤ ከተማም ሠርቶ ተቀመጠባት።

51

| | | |
|---|---|---|
| אֵ֣לֶּה | እነዚህ | H0428 |
| הַנְּחָלֹ֡ת | -ያ-ርስቶች | H5159 |
| אֲשֶׁ֣ר | የ | |
| נִחֲל֣וּ | አወረሱ | H5157 |
| אֶלְעָזָ֣ר | አልዓዛር | H0499 |
| הַכֹּהֵ֣ן ׀ | -ያ-ካህን | H3548 |
| וִיהוֹשֻׁ֣עַ | -እና-ኢያሱ | H3091 |
| בִּן־ | ልጅ-የ | |
| נ֟וּן | ኑን | H5126 |
| וְרָאשֵׁ֥י | -እና-ራሶች-የ | |
| הָאָב֛וֹת | -ያ-አባቶች | H0001 |
| לְמַטּ֤וֹת | -ለ-ነገዶች-የ | H4294 |
| בְנֵֽי־ | ልጆች-የ | |
| יִשְׂרָאֵ֣ל ׀ | እስራኤል | H3478 |
| בְּגוֹרָ֣ל ׀ | -በ-ዕጣ | H1486 |
| בְּשִׁלֹה֙ | -በ-ሺሎ | H7887 |
| לִפְנֵ֣י | -ለ-ፊት-የ | H6440 |
| יְהוָ֔ה | እግዚአብሔር | H3068 |
| פֶּ֖תַח | መግቢያ-የ | H6607 |
| אֹ֣הֶל | ድንከን-የ | H0168 |
| מוֹעֵ֑ד | መለቃ | H4150 |
| וַיְכַלּ֕וּ | -እና-ጨረሱ | H3615 |
| מֵחַלֵּ֖ק | -ከ-መካፈል | |
| אֶת־ | (ዕቃ) | H0853 |
| הָאָֽרֶץ׃ | -ያ-ምድር | H0776 |
| פ | (ፊደል) | |

> ካህኑ አልዓዛር፥ የነዌም ልጅ ኢያሱ፥ የእስራኤልም ልጆች ነገዶች የአባቶች አለቆች በእግዚአብሔር ፊት በሴሎ በመገናኛው ድንኳን ደጃፍ አጠገብ በዕጣ የተካፈሉት ርስት ይህ ነው። ምድሪቱንም መካፈል ጨረሱ።